सूक्ष्मजीव बताते हैं घर का पता

आपके घर के कोनों में जो धूल इकट्ठा होती रहती है वह अवश्य ही एलर्जी वगैरह का कारण बनती होगी मगर सूक्ष्मजीव वैज्ञानिकों ने पाया है कि इस धूल से न सिर्फ यह बताया जा सकता है कि आपका घर किस बस्ती में है बल्कि घर के सदस्यों के बारे में भी काफी कुछ सुराग मिल सकते हैं। इस रोचक अनुसंधान की रिपोर्ट हाल ही में *प्रोसीडिंग्स ऑफ दी रॉयल सोसायटी बी* में प्रकाशित हुई है।

शोधकर्ता अल्बर्ट बार्बेरिअन और उनके साथियों ने कुछ वालंटियर्स को यूएस के करीब 1200 घरों से और घरों के आसपास से धूल के नमूने लाने को कहा। जब इन नमूनों की जांच हुई तो पता चला कि किसी भी घर में औसतन 5000 किस्म के बैक्टीरिया और 2000 किस्म की फफूंदें निवास करती हैं।

फफूंद की किस्मों के विश्लेषण से घर की स्थिति के बारे में काफी कुछ बताया जा सका। आम तौर पर किसी भी इलाके की फफूंद आबादी काफी विशिष्ट होती है। यही फफूंद घर के बाशिंदों के साथ या खिड़कियों-दरवाज़ों से घरों के अंदर भी आ जाती है। तो इसके आधार पर बताया जा सकता है कि जिस घर की धूल है वह किस इलाके में है। मसलन, शोधकर्ताओं ने पाया कि ग्रेट लेक और एरिज़ोना के इलाकों के घरों की फफूंद का संघटन काफी अलग-अलग था।

और बैक्टीरिया तो घर के लोगों के बारे में बहुत कुछ चुगली कर देते हैं। आम तौर पर किसी घर में पाए जाने वाले बैक्टीरिया उस घर के बाशिंदों के शरीर से झड़ते हैं। तो इनके आधार पर शोधकर्ता किसी घर का लिंग अनुपात बता पाने में सफल रहे। यहां तक कि वे यह भी बता पाए कि किसी घर में कोई पालतू जानवर है या नहीं क्योंकि कुत्ते-बिल्लियां सूक्ष्मजीव के इस संसार में अपना विशिष्ट योगदान देते हैं।

शोध रोचक तो है मगर इसका व्यावहारिक उपयोग क्या है? शोधकर्ताओं का ख्याल है कि इस तरह की जानकारी अपराध वैज्ञानिकों के काम आ सकती है। इसके अलावा एलर्जी वगैरह के अध्ययन में घरों की धूल का सूक्ष्मजीव वैज्ञानिक विश्लेषण सहायक हो सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***